संख्या-97/2018/3271/सैंतीस-2-2018-1(10)/18

प्रेषक,

डॉ0 सुधीर एम. बोबडे,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

कुलपति,
उ0प्र0पं0 दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान
विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनाँक-29 अक्टूबर, 2018

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में उ0प्र0पं0 दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा के आन्तरिक मार्गों की सड़कों की मरम्मत एवं नवीनीकरण हेतु अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अधिकारी, उ0प्र0पं0 दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा के पत्र सं0-858/वित्त/बजट/2018-19, दिनांक-26.05.2018 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मथुरा विश्वविद्यालय के आन्तरिक मार्गों की सड़कों की मरम्मत एवं नवीनीकरण हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक '2403-पशुपालन-800-अन्य व्यय-06-पं. दीन दयाल पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा' के मानक मद 20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) में अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राविधानित धनराशि रू0-209.32 लाख (रूपये दो करोड़ नौ लाख बत्तीस हजार मात्र) अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि का आहरण करने हेतु वित्त अधिकारी एवं कुलपति द्वारा संयुक्त रूप से बिल पर हस्ताक्षर किया जायेगा और उसे जिलाधिकारी, मथुरा द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा।
2. प्रश्नगत कार्य हेतु शासनादेश संख्या-2376/सैंतीस-2-2017-1(10)/2018, दिनांक-07.08.2018 द्वारा नामित कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्टयों एवं मानक के अनुसार गुणवत्ता पूर्ण कार्य सम्पादित करायेगी। कार्यों की गुणवत्ता उत्कृष्ट कोटि की हो, इसकी पूर्ण जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी तथा समय-समय पर स्थलीय अनुश्रवण कर गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने का उत्तरदायित्व कुलपति, उ0प्र0पं0 दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा का होगा।
3. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा, वस्तुतः जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। इससे इतर अन्य मद/प्रयोजन में किया गया व्यय वित्तीय अनियमितता माना जायेगा।
4. प्रस्तावित आगणन में चूंकि सक्षम स्तर की तकनीकी स्वीकृति नहीं ली गयी है। अतः प्रश्नगत कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्रायोजना/कार्यों पर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी तथा सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
5. स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्माण संबंधी संगत शासनादेशों में निहित व्यवस्थानुसार/मानकों के अधीन किया जायेगा। आगणन के सम्बन्ध में मूल्यांकन (अप्रेजल) एवं औचित्य के परीक्षण हेतु वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 के शासनादेश दिनांक-26.08.2014 की व्यवस्था की प्रतिबद्धता है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

6. स्वीकृत की जा रही धनराशि वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक-30 मार्च, 2018 तथा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 के शासनादेश दिनांक-01 सितम्बर, 2018 में निहित व्यवस्थानुसार आहरित/कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि से सामग्री/उपकरण आदि का क्रय वित्तीय नियमों/संगत शासनादेशों की व्यवस्था के अनुसार किया जायेगा।
8. यह भी सुनिश्चित कर लिया जायगा कि प्रश्नगत कार्य हेतु पूर्व में राज्य सरकार अथवा अन्य किसी स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है और न ही यह कार्य वर्तमान में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम में सम्मिलित है।
9. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2018/बी-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक-30.03.2018 एवं कार्यालय-ज्ञाप दिनांक-24.04.2018 तथा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2 के शासनादेश दिनांक-01.09.2018 में निहित व्यवस्था व शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-'2403-पशुपालन-800-अन्य व्यय-06-पं. दीन दयाल पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0-ई-1-यू.ओ.-711/दस-2018, दिनांक-04.10.2018 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ0 सुधीर एम. बोबडे)
प्रमुख सचिव।

पृ0सं0-97/2018/3271(1)/सैंतीस-2-2018- तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2. प्रमुख सचिव, श्री राज्यपाल, उ0प्र0 शासन।
3. निदेशक (प्रशासन एवं विकास)/वित्त नियंत्रक, पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
4. रजिस्ट्रार/वित्त अधिकारी, उ.प्र.पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ अनुसंधान संस्थान, मथुरा।
5. जिलाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, मथुरा।
6. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डा0 प्रहलाद बरनवाल)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in